Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)

Scheme and Syllabus

Of

M. A. (Hindi)

Program Code: MAHINDIP110

Annual system for affiliated college

w.e.f. 2024-2025

(As approved AC and EC meeting held on 16.08.2023 and 18.04.2023 respectively)

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction

Program : MAHINDIP110		**M.A. (Hindi) अंतिम**	w.e.f: 2024-25
1	Course Code	**HINDIT201**	
2	Course Title	**काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन**	
3	Course Type	**सैद्धांतिक**	
4	Pre-requisite (if any)	**निरंक**	
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the student will be able to :** • विद्यार्थी में आलोचनात्मक विवेक तथा समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा। • विद्यार्थी काव्य चिंतन से परिचित हो सकेंगे। • विद्यार्थी में भाषा– शिक्षण के संस्कारों का विकास होगा। • विद्यार्थी हिन्दी आलोचकों के परिचय द्वारा समीक्षात्मक कार्य के प्रति जागरूक होंगे। • विद्यार्थी में समीक्षा के प्रति रूचि उत्पन्न होगी।	
6	**Total Marks**	**Max. Marks: 100**	**Min. Marks: 36**

Topics

पाठ्य **विषय** –

क) **संस्कृत काव्यशास्त्र** – काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार, काव्य भेद,

– रस सिद्धान्त–

– रस का स्वरुप, महत्व, भरत के रस सूत्र की व्याख्या, रस निष्पति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा, उत्पत्तिवाद, अनुमितिवाद, भुक्तिवाद, अभिव्यक्तिवाद।

– अलंकार सिद्धान्त

– मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

– रीति सिद्धान्त

– रीति की अवधारणा, काव्य गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, रीति गुण–दोष।

– वक्रोक्ति सिद्धान्त–

– वक्रोक्ति की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा और स्वरूप, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

– ध्वनि सिद्धांत

– ध्वनि का स्वरुप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत –व्यंग, चित्रकाव्य

– औचित्य सिद्धान्त

– प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य भेद।

ख) **पाश्चात्य काव्य शास्त्र** –

– प्लेटो – काव्य सिद्धान्त

– अरस्तू – अनुकरण–सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धांत

– लोंजाइनस – उदात्त की अवधारणा, काव्य में उदात्त तत्व।

– टी. एस. इलियट – परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वेयक्तिकता का सिद्धान्त,वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।

– आई. ए. रिचर्ईस – मूल्य सिद्धांत, काव्य–भाषा सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत, रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

– मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद।
– आधुनिक समीक्षा – संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकतावाद, विखंडनवाद, आधुनिकतावाद।

ग) हिन्दी कवि–आचार्यो का काव्यशास्त्रीय चिंतन – लक्षण–काव्य–परम्परा एवं कवि–शिक्षा

घ) हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ– – शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

ड) व्यावहारिक समीक्षा –प्रश्न पत्र में पूछे गये किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा।

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

REFERENCE BOOKS:

1. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. उदयभानु सिंह
3. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
4. संस्कृत काव्यशास्त्र – डॉ. बलदेव उपाध्याय
5. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. भागीरथी मिश्र
6. रस मीमांसा – डॉ. रामचंद्र शुक्ल
7. रस सिद्धांत – डॉ. नगेन्द्र
8. भारतीय आलोचना शास्त्र – डॉ. राजवंश सहाय
9. रीतिकाल के प्रमुख आचार्य – डॉ. सत्यदेव चौधरी
10. हिंदी आलोचना –डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी

E-RESOURCES:

1. ई. जर्नल्स, ई पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई – शोधलेख।
2. w.w.w. ndl. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

अंक विभाजन

संस्कृत काव्य शास्त्र–01 आलोचनात्मक प्रश्न– 1x15	= 15 अंक
पाश्चात्य काव्य शास्त्र–01 आलोचनात्मक प्रश्न– 1x15	= 15 अंक
हिन्दी काव्य शास्त्र–01 आलोचनात्मक प्रश्न– 1x15	= 15 अंक
व्यावहारिक समीक्षा –	= 15 अंक
05 लघुउत्तरीय प्रश्न – 5x4	=20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ / अतिलघुउत्तरीय 20x1	= 20 अंक
कुल अंक	= 100 अंक

	हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, प्राध्यापक शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय, सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	[signature]
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय,शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction

Program : MAHINDIP110		M.A. (Hindi) अंतिम	w.e.f:2024-25
1	Course Code	HINDIT202	
2	Course Title	प्रयोजनमूलक हिन्दी	
3	Course Type	सैद्धांतिक	
4	Pre-requisite (if any)	निरंक	
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the student will be able to :** • विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी के व्यवसायिक क्षेत्र में उपयोग से परिचित हो सकेंगे। • विद्यार्थी हिन्दी भाषा और उसके विविध प्रयोगों की जानकारी प्राप्त कर राजभाषा हिन्दी के समर्थन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे। • विद्यार्थी पारिभाषिक शब्दावली के माध्यम से प्रयोजनमूलक हिन्दी के महत्व को समझ सकेंगे। • विद्यार्थी कामकाज से संबंधित पत्र लेखन, विज्ञापन लेखन का कौशल प्राप्त कर विज्ञापन एजेंसियों में रोजगार पा सकेंगे। • विद्यार्थी आधुनिक युग में जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्वों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों में प्रयोजनमूलक हिंदी के महत्व एवं उपयोग को समझ सकेंगे।	
6	**Total Marks**	**Max. Marks: 100**	**Min. Marks: 36**

Part B: Content of the Course

Total No. of Lecture

Topics

पाठ्य **विषय** –

खण्ड **(क)** कामकाजी हिन्दी –

– हिन्दी के विभिन्न रूप
– सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा
– कार्यालयीन हिन्दी (राजभाषा) में प्रमुख प्रकार्य
– प्रारूपण, पत्र–लेखन, संक्षेपण के प्रमुख प्रकार्य
– पल्लवन, टिप्पण।
– परिभाषिक शब्दावली स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत
– ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली, विज्ञापन लेखन,
– हिन्दी कम्प्यूटिंग, कम्प्यूटर परिचय, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय।
– इंटरनेट सम्पर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव, एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र।
– लिंक, ब्राउसिंग, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग, हिन्दी साफ्टवेयर, पैकेज।

खण्ड (ख) पत्रकारिता –

– पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार
– हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास

– समाचार लेखनकला
– संपादन के आधारभूत तत्व
– व्यवहारिकता, प्रूफ शोधन
– शीर्षक की संरचना, लीड, इन्ट्रो एवं शीर्षक संपादन
– सम्पादकीय लेखन
– पृष्ठ सज्जा
– साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता, एवं प्रेस प्रबंधन
– प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता

खण्ड (ग) मीडिया लेखन –
– जनसंचार– प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ
– विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप
– मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रृव्य, इंटरनेट माध्यमों का स्वरूप
– श्रव्य माध्यम (रेडियो)– मौखिक भाषा की प्रकृति।
–समाचार लेखन एंव वाचन/रेडियो नाटक/उद्घोषणा लेखन।
– दृश्य–श्रव्य माध्यम– (फिल्म, टेलीविजन एवं विडियो), दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति। दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य। पार्श्ववाचन (वायस ओवर) पटकथा लेखन। टेलीड्रामा/डॉक्यूड्रामा, संवाद लेखन। साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण। विज्ञापन की भाषा।
– इंटरनेट – सामग्री सृजन (Content Creation)

खण्ड (घ) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार
– अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि
– हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
– कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद – जनसंचार माध्यमों का अनुवाद
– विज्ञापन में अनुवाद
– वैचारिक साहित्य का अनुवाद
– वाणिज्यिक–अनुवाद
– वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद
– विधि–साहित्य की हिन्दी और अनुवाद
– व्यावहारिक–अनुवाद–अभ्यास
– कार्यालयीन अनुवाद
– कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक–प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि।
– पत्रों के अनुवाद
– पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद
– बैंक–साहित्य के अनुवाद का अभ्यास
– विधि साहित्य के अनुवाद का अभ्यास
– साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार : कविता, कहानी, नाटक,
– सारानुवाद
– दुभाषिया प्रविधि
– अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

REFERENCE BOOKS:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. रामछबीला त्रिपाठी
2. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
3. व्यावहारिक हिंदी – महेन्द्र मितले
4. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
5. पारिभाषिक शब्दावली – डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ. महेन्द्र चतुर्वेदी
6. कामकाजी हिंदी – भूमंडलीकरण के दौर में – डॉ. देशबंधु राजेश
7. राजभाषा हिंदी नियम पुस्तिका, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय नई दिल्ली
8. हिंदी : संघर्ष और आयाम – डॉ. जयश्री शुक्ल, डॉ. (श्रीमती) राजेश चतुर्वेदी
9. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग– विजय कुमार मल्होत्रा
10. प्रयोजनमूलक हिन्दी विविध परिदृश्य– डॉ रमेश चंद्र त्रिपाठी
11. नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी – सुधीश पचौरी, अचला शर्मा

E-RESOURCES:

1. ई. जर्नल्स, ई पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई – शोधलेख।
2. w.w.w. ndl. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

अंक विभाजन

04 आलोचनात्मक प्रश्न– 4x15 (प्रत्येक खण्ड से एक–एक)	**= 60 अंक**
05 लघु उत्तरीय प्रश्न – 5x4	**=20 अंक**
20 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुउत्तरीय 20x1	**= 20 अंक**
कुल अंक	**= 100 अंक**

हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम	हस्ताक्षर
1. डॉ डी.एस. ठाकुर, प्राध्यापक प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2. डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, प्राध्यापक, प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा.बिलासपुर।	
3. श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय, सरगांव।	
4. डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5. डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6. डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	
7. प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय,शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8. प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction			
Program : MAHINDIP110		**M.A. (Hindi) अंतिम**	w.e.f: 2024-25
1	Course Code	**HINDIT203**	
2	Course Title	**भारतीय साहित्य**	
3	Course Type	सैद्धांतिक	
4	Pre-requisite (if any)	निरंक	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the student will be able to :** • प्रत्येक भाषा की अपनी विशेषता होती है। इस दृष्टि से विद्यार्थी भारत की विभिन्न भाषाओं का अध्ययन कर भाषायी विविधता को समझ सकेंगे। • भारत बहुभाषा–भाषी देश है किंतु भारत की विभिन्न संस्कृतियों में एक प्रकार की सूत्रबद्धता है इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थी उससे परिचित हो सकेंगे। • भारतीय भाषाओं में हिंदी भाषा और साहित्य का स्थान अन्य प्रांतीय भाषाओं की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण है इस बात का विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। • विद्यार्थी हिन्दी भाषा और साहित्य के प्रयोजन को समझने में सफल हो सकेंगे। • विद्यार्थी भारतीय जीवन मूल्यों से परिचित हो सकेंगे।	
6	**Total Marks**	**Max. Marks: 100**	**Min. Marks: 36**

Topics

पाठ्य विषय – प्रथम खण्ड – 1. भारतीय साहित्य का स्वरूप 2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ 3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब 4. भारतीयता का समाज शास्त्र 5. हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

द्वितीय **खण्ड** – इसके अंतर्गत हिन्दीतर भाषा साहित्य का अध्ययन अपेक्षित है, जिसमें पूर्वांचल भाषा वर्ग के बंगला और उड़िया साहित्य का सामान्य अध्ययन किया जायेगा एवं पूर्वांचल भाषा वर्ग (उड़िया, बंगला, असमिया, मणिपुरी) के साहित्य इतिहास की सामान्य जानकारी भी अपेक्षित है।

तृतीय **खण्ड** – तृतीय खण्ड के अंतर्गत तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित है जिसमें अंग्रेजी या संस्कृत के साथ हिन्दी को जोड़कर अध्ययन करना होगा। सामान्यतया यह अध्ययन साहित्य के इतिहास से ही संबंधित रहेगा।

चतुर्थ **खण्ड** – इसके अंतर्गत 1 उपन्यास, 1 कविता संग्रह तथा 1 नाटक का अध्ययन अपेक्षित है, जिन पर केवल आलोचनात्मक प्रश्न ही पूछा जायेगा। उपन्यास – अग्निगर्भा (बंगला) महाश्वेता देवी भट्टाचार्य, कविता संग्रह – वर्षा की सुबह (उड़िया–सीताकांत महापात्र) नाटक – तुगलक (कन्नड़), गिरीश कर्नाड

Part C- Learning Resources
Text Books, Reference Booksand E-Resources

REFERENCE BOOKS:

1. भारतीय साहित्य – संपादक – डॉ. नगेन्द्र
2. बंगला साहित्य का इतिहास –भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद
3. भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास – केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
5. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका– प्रो. इंद्रनाथ चौधुरी
6. भारतीय साहित्य अध्ययन की नई दिशाएं – डॉ. प्रदीप श्रीधर
7. आज का भारतीय साहित्य – साहित्य अकादमी

E-RESOURCES:

1. ई. जर्नल्स, ई पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रानिक डाटाबेस, ई – शोधलेख।
2. w.w.w. ndI. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

अंक विभाजन	
04 आलोचनात्मक प्रश्न– 4x15 (प्रत्येक खण्ड से एक–एक)	= 60 अंक
05 लघु उत्तरीय प्रश्न – 5x4	=20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ / अतिलघुउत्तरीय 20x1	= 20 अंक
कुल अंक	= 100 अंक

	हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष / सदस्यों के नाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	राजकुमार
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय नई दिल्ली।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction

Program : MAHINDIP110		M.A. (Hindi) अंतिम	w.e.f: 2024-25
1	Course Code	HINDIT204	
2	Course Title	(वैकल्पिक) साहित्यिक वर्ग–(क) लोक साहित्य	
3	Course Type	सैद्धांतिक	
4	Pre-requisite (if any)	निरंक	
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	At the end of this course, the student will be able to : • विद्यार्थी लोक साहित्य से परिचित हो सकेंगे। • हिंदी की विभाषाओं में अमूल्य संपदा विद्यमान है। इसके संपादन, सर्वेक्षण के द्वारा विद्यार्थी अपनी मूल संस्कृति से परिचित हो सकेंगे। • हिंदी साहित्य की पाठ्य विभाषाओं में आज जो साहित्य सृजन किया जा रहा है विद्यार्थी उसकी उपयोगिता को जान सकेंगे। • लोक साहित्य में वर्णित जीवन मूल्यों से परिचित हो सकेंगे। • विद्यार्थी अपने राज्य के तीज–त्यौहार, पर्वों से परिचित हो उनका आनंद ले सकेंगे।	
6	**Total Marks**	**Max. Marks: 100**	**Min. Marks: 36**

Topics

पाठ्य विषय –

– लोक, लोकवार्ता और लोक–विज्ञान,
– लोक संस्कृति– अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति,
– लोक संस्कृति और साहित्य,
– लोक साहित्य की अवधारणा
– संस्कृत वाङ्मय में लोकोन्मुखता।
– भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास,
– हिन्दी लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येता। लोक साहित्य की अध्ययन–प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएं।
– लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण–
– लोकगीत, लोकनाट्य, लोक–कथा, लोक–गाथा, लोक–नृत्य, लोक –नाटय, लोक–संगीत, लोकगीत संस्कार–गीत, व्रत–गीत, श्रम–गीत, ऋतु–गीत, जाति–गीत, लोक नाट्य, रामलीला, रासलीला, कीर्तनिया स्वांग, यक्षगान, भवाई, संपेड़ा, विदेशिया, माच, भांड, तमाशा, नौटंकी,जात्रा, कथकली।
– हिन्दी लोक नाट्य की परम्परा एवं प्रविधि, हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोकनाटयों का प्रभाव।
– लोक कथा, व्रत–कथा, परी–कथा, नाग–कथा, बोध–कथा। कथानक रूढ़ियाँ अथवा अभिप्राय, लोरिकायान, हरदौला।
– लोक गाथा – ढोला–मारू र दूहा, गोपिचंद, भरथरी, लोरिकायन, नल–दमयंती, लैला–मजनूँ, हीर–रांझा, सोहनी–महिवाल, लोरिक–चंदा, आल्हा–हरदौल।
– लोक–संगीत लोकवाद्य तथा विशिष्ट धुन।
– लोक भाषा– लोक सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

REFERENCE BOOKS:

1. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र
2. छत्तीसगढ़ी लोक मानस, भारतीय लोक का विवेचन – विद्या विंदु सिंह, मधु प्रकाशन, इलाहबाद
3. लोक साहित्य स्वरूप एवं सर्वेक्षण – डॉ. सत्येन्द्र–अभिनंदन ग्रंथ, स्वर्णलता अग्रवाल
4. लोक साहित्य पहचान – रामनारायण उपाध्याय, कालिदास प्रकाशन, उज्जैन

E-RESOURCES:

1. ई. जर्नल्स, ई–पुस्तकें, वीडियों व्याख्यान , दृश्य श्रव्य सामग्री, ई शोध लेख, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस
2. w.w.w. ndI. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

अंक विभाजन	
04 आलोचनात्मक प्रश्न– 4x15 **(प्रत्येक खण्ड से एक–एक)**	**= 60 अंक**
05 लघु उत्तरीय प्रश्न – 5x4	**=20 अंक**
20 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुउत्तरीय 20x1	**= 20 अंक**
कुल अंक	**= 100 अंक**

हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम	**हस्ताक्षर**
1. डॉ डी.एस. ठाकुर, प्राध्यापक शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2. डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3. श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय सरगांव।	
4. डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5. डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6. डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	राजकुमार
7. प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8. प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction

Program : MAHINDIP110		**M.A. (Hindi) अंतिम**	w.e.f: 2024-25
1	Course Code	**HINDIT205**	
2	Course Title	**(वैकल्पिक) साहित्यक वर्ग–(ख) छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य**	
3	Course Type	**सैद्धांतिक**	
4	Pre-requisite (if any)	**निरंक**	
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the student will be able to :** • विद्यार्थी छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य से परिचित हो सकेंगे। • हिंदी की विभाषाओं में अमूल्य संपदा विद्यमान है। इसके संपादन, सर्वेक्षण के द्वारा विद्यार्थी अपनी मूल संस्कृति से परिचित हो सकेंगे। • हिंदी साहित्य की पाठ्य विभाषाओं में आज जो साहित्य सृजन किया जा रहा है विद्यार्थी उसकी उपयोगिता को जान सकेंगे। • विद्यार्थी अपने राज्य के तीज–त्यौहार, पर्वों से परिचित हो उनका आनंद ले सकेंगे।	
6	**Total Marks**	**Max. Marks: 100**	**Min. Marks: 36**

Topics

पाठ्य विषय–

– छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास, प्रवृत्तियाँ, मानकीकरण, भौगोलिक सीमा, शब्दकोश

– छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य का इतिहास, प्रवृत्तियाँ, उद्‌भव, विकास, विधाएँ–प्रमुख लेखक एवं उनकी रचनाएँ– उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, निबंध

छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवि (व्याख्या एवं विवेचना) निर्धारित कवि

– पं. सुन्दरलाल शर्मा पं. शुकलाल प्रसाद पाण्डेय, प्यारेलाल गुप्त, पं. द्वारिका प्रसाद तिवारी 'विप्र', हरि ठाकुर, कपिलनाथ कश्यप।

– द्रुत पठन हेतु छत्तीसगढ़ी गद्य एवं पद्य विद्या के निर्धारित साहित्यकारों का सामान्य परिचय – गोपाल मिश्र, डॉ नरेंद्रदेव वर्मा, कुंजबिहारी चौबे, डॉ. विनय कुमार पाठक, डॉ नंदकिशोर तिवारी,पद्मश्री श्यामलाल चतुर्वेदी, लक्ष्मण मस्तुरिया, पवन दीवान, पालेश्वर शर्मा, परदेशी राम वर्मा।

– छत्तीसगढ़ी लोक–साहित्य के प्रमुख रूपों का संक्षिप्त अध्ययन।

– लोक–गीत, लोक–नाट्य, लोक–कथा, लोक–गाथा, लोक–नृत्य, लोक–संगीत

– छत्तीसगढ़ी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ– प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं

– छत्तीसगढ़ की बोलियाँ, लोक–संस्कृति एवं तीज त्यौहार

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

REFERENCE BOOKS:

1. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र
2. हिंदी लोक साहित्य – गणेशदत्त सारस्वत, विद्याविहार कानपुर
3. लोक साहित्य एवं पहचान – रामनारायण उपाध्याय, कालिदास प्रकाशन, उज्जैन
4. लोक साहित्य की प्रासांगिकता – संपादक डॉ. जयश्री शुक्ल, डॉ. (श्रीमती) राजेश चतुर्वेदी
5. छत्तीसगढ़ लोक साहित्य एवं लोक जीवन का अध्ययन – डॉ. शकुन्तला वर्मा
6. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और भाषा – डॉ. बिहारी लाल साहू
7. लोक साहित्य – सुरेशचंद्र त्यागी, वि.वि. परिषद्, मेरठ

E-RESOURCES:

1. ई. जर्नल्स, ई पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई – शोधलेख।
2. w.w.w. ndI. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

अंक विभाजन	
03 व्याख्याएँ प्रश्न– 3x10	= 30 अंक
03 आलोचनात्मक प्रश्न – 2x15	=30 अंक
05 लघु उत्तरीय प्रश्न –5x4	=20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुउत्तरीय 20x1	= 20 अंक
कुल अंक	= 100 अंक

	हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, प्राध्यापक शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	राजकुमार
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction

Program : MAHINDIP110		**M.A. (Hindi) अंतिम**	w.e.f: 2024-25
1	Course Code	**HINDIT206**	
2	Course Title	(वैकल्पिक) व्यवसायिक वर्ग–(क) पत्रकारिता प्रशिक्षण	
3	Course Type	**सैद्धांतिक**	
4	Pre-requisite (if any)	**निरंक**	
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the student will be able to :** • विद्यार्थी पत्रकारिता प्रशिक्षण के विभिन्न माध्यमों से परिचित हो सकेंगे। • विद्यार्थी पत्रकारिता प्रशिक्षण के उपयोग क्षेत्र से परिचित होगें। • विद्यार्थी पत्रकारिता प्रशिक्षण के व्यवसायिक उपयोग को समझ सकेंगे। • विद्यार्थी सांस्कृतिक कर्म की दृष्टि से पत्रकारिता प्रशिक्षण का उपयोग करना सीख सकेंगे। • विद्यार्थी पत्रकारिता के मूल्यों, दायित्वों से परिचित हो सकेंगे।	
6	**Total Marks**	**Max. Marks: 100**	**Min. Marks: 36**

Topics

पाठ्य **विषय**–

– पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार
– विश्व पत्रकारिता का उदय। भारत में पत्रकारिता का आरंभ
– हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास
– पत्रकारिता के मूल तत्व
– समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।
– संपादन कला के सामान्य सिद्धान्त – शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया।
– समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना।
– दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
– समाचार के विभिन्न स्त्रोत
– संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्धति
– पत्रकारिता से संबंधित लेखन – संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालाअप) आदि की प्रविधि।
– इलेक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता
– रेडियो टी.वी. वीडियो, केबल, मल्टीमीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता।
– प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, ले आउट, पृष्ठ सज्जा।
– पत्रकारिता का प्रबंधन, प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री, तथा वितरण व्यवस्था।
– भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार।
– मुक्त प्रेस की अवधारणा।
– लोक सम्पर्क तथा विज्ञापन।
– प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।
– प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।
– प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

REFERENCE BOOKS:

1. हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. भाषायी पत्रकारिता और जनसंचार – डॉ. विष्णु पंकज, विवेक पब्लिशिंग हाउस, जयपुर
3. हिन्दी पत्रकारिता में आठवां दशक – मारियोका आफ्रेकेदी, प्रासंगिक प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पत्रकारिता के मूल सिद्धांत – श्रीपाल शर्मा विभूति प्रकाशन, नई दिल्ली
5. साहित्य पत्रकारिता – रमासिंह, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
6. समाचार पत्र मुद्रण और साजसज्जा – श्याम सुंदर शर्मा, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी,भोपाल
7. संवाद और संवाददाता – राजेन्द्र चंडीग

E-RESOURCES:

1. ई. जर्नल्स, ई पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई – शोधलेख।
2. w.w.w. ndI. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

अंक विभाजन

04 आलोचनात्मक प्रश्न – 4x15		**=60 अंक**
05 लघु उत्तरीय प्रश्न –5x4		**=20 अंक**
20 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुउत्तरीय 20x1		**= 20 अंक**
	कुल अंक	**= 100 अंक**

हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम		हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, प्राध्यापक शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction			
Program : MAHINDIP110		**M.A. (Hindi) अंतिम**	w.e.f: 2024-25
1	Course Code	**HINDIT207**	
2	Course Title	**(वैकल्पिक) व्यावसायिक वर्ग–(ख) अनुवाद विज्ञान**	
3	Course Type	**सैद्धांतिक**	
4	Pre-requisite (if any)	**निरंक**	
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the student will be able to :** • विद्यार्थी अनुवाद की प्रक्रिया, प्रकार से परिचित होकर अनुवादक बनने का विचार कर सकेंगे। • विद्यार्थी जनसंचार माध्यम, अन्य आधुनिक तकनीकी विषय क्षेत्रों के परिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे। • विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं के साहित्य का अनुवाद करने हेतु विविध भाषाएं सीखने हेतु उत्सुक होंगे। • विद्यार्थी अनुवाद पुनरीक्षण तथा मूल्यांकन का कार्य कर सकेंगे। • विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अनुवाद प्रकिया के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।	
6	**Total Marks**	**Max. Marks: 100**	**Min. Marks: 36**

Topics

पाठ्य विषय–

- अनुवाद – परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएं।
- अनुवाद का स्वरूप – अनुवाद– कला, विज्ञान एवं शिल्प
- अनुवाद की इकाई – शब्द पदबंध, वाक्य पाठ
- अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि – विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन
- अनुवाद प्रक्रिया के विविध चरण–स्त्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थांतरण की प्रक्रिया
- अनुदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ संप्रेषण की प्रक्रिया, अनुवाद प्रक्रिया की प्रवृति
- अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धान्त
- अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार, कार्यालयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि
- अनुवाद की समस्याएँ, सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, विधि साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्द निर्माण की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।
- अनुवाद के उपकरण– कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि।
- अनुवाद – पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन।
- मशीनी अनुवाद
- अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्यानुवाद,
- पाठ की अवधारणा और प्रकृति , अनुवाद के गुण
- शाब्दिक अनुवाद भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद – व्यावहारिक अनुवाद। (प्रश्न–पत्र में दिये गये अंग्रेजी अवतरण का हिन्दी अनुवाद)

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

REFERENCE BOOKS:

1. अनुवादः प्रक्रिया एवं समस्याएं – डॉ. रामनारायण पटेल, लोकाक्षर प्रकाशन, बिलासपुर
2. अनुवादकला – डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी,
4. अनुवाद कला–सिद्धांत और प्रयोग– डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
5. अनुवाद प्रक्रिया – डॉ. रीतारानी पालीवाल साहित्य निधि, सी/ 38 कृष्ण नगर दिल्ली
6. हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद – डॉ. आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति प्रकाशन, दिल्ली

E-RESOURCES:

1. ई. जर्नल्स, ई पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई – शोधलेख।
2. w.w.w. ndI. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

अंक विभाजन	
04 आलोचनात्मक प्रश्न – 4x15	=60 अंक
05 लघु उत्तरीय प्रश्न –5x4	=20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुउत्तरीय 20x1	= 20 अंक
कुल अंक	= 100 अंक

	हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, प्राध्यापक शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	राजकुमार
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।	अनुपस्थित